RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 38 अंक 34 हल्द्वानी सम्वत् 2079 सोमवार 23 जनवरी 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिय,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

जोशीमठ को देख अन्य स्थानों पर चौकन्ने हुए

पिथौरागढ़, चम्पावत, बागेश्वर से भी उठ रही है आवाज

नैनीताल प्रशासन भी चौकन्ना, आलूखेत, ढुंगसिला, सलड़ी भीमताल एवं अन्य क्षेत्रों का संज्ञान लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश

कार्यालय प्रतिनिधि

जोशीमठ के हालात देख अब पूरे उत्तराखण्ड में इस बात की हलचल है कि इस प्रकार के कौन कौन से क्षेत्र हैं। पर्यावरणविद् कहते हैं- यह सब हिमालय पर अत्याचार का परिणाम है। जोशीमठ की राह पर प्रमुख पर्यटक स्थल नैनीताल सहित कई महत्वपूर्ण स्थान हैं। यदि अब भी न चेते तो यही सब होगा जो जोशीमठ में हो गया है। पिथौरागढ़, चम्पावत, बागेश्वर से भी इस प्रकार के खतरे वाले क्षेत्रों के लिये आवाज उठ रही है। सीएम भी कह चुके हैं कि उत्तराखण्ड के सभी पर्वतीय शहरों का सर्वे होगा। यह स्पष्ट हो चुका है कि जोशीमठ की आपदा का प्रमुख कारण जोशीमठ पड़ाव का शहर बन जाना और उस पर अत्यधिक भार होना था।

भविष्य में जनपद नैनीताल में किसी प्रकार का भू-धंसाव एवं भूस्खलन की स्थिति उत्पन्न न हो जिसे लेकर जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने जिला कार्यालय में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने ग्राम सभा आलूखेत, ढूंगसिला, सलैड़ी भीमताल एवं अन्य क्षेत्रों का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि भविष्य में भू-धंसाव से कोई बड़ी घटना न हो इसके लिए अधिकारी पहले से ही अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर ऐसे स्थानों को चिन्हित करें जहाँ भू-धंसाव एवं भूस्खलन की सम्भावना बनी हो। श्री गर्ब्याल ने ग्राम सभा ढुंगसिला में पहाड़ी से हो रहे भूस्खलन एवं आलूखेत में भूस्खलन से आवासी भवनों को खतरे से रोकने एवं आवश्यक समाधान करने हेतु खनि विभाग एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियो को आज ही संयुक्त रूप से सर्वे करते हुए स्टीमेट बनाने के निर्देश दिये, ताकि भू-धंसाव एवं भूस्खलन क्षेत्र में स्क्रबर, कलवर्ट नालियों आदि की व्यवस्था समय रहते की जा सके। जिससे वर्षा काल के दौरान भू- धंसाव एवं भूस्खलन क्षेत्र प्रभावित न हो। इसके साथ ही उन्होंने भीमताल में ड्रेनैज की समस्या के चलते आये दिन जलभराव की स्थिति के समाधान के लिए सिंचाई एवं लोनिवि के अधिकारियों से सर्वे करते हुए प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये ताकि जिन-जिन स्थानों पर नालों का साइज छोटा है उन स्थानों को आवश्यकता अनुसार चौड़ा किया जा सके। जिससे की उनमें मलवा इत्यादि एकत्र न हो सके जिससे पानी की निकासी निरन्तर बनी रहे। उन्होंने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि सड़कों के निमार्ण के दौरान पानी की

शेष पृष्ठ 2 पर

कैलास मानसरोवर यात्रा का पौराणिक गबला धर्म द्वार शुरु होना चाहिये

धारचूला। कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग को पौराणिक व ऐतिहासिकयात्रा मार्ग से क्रियान्वयन करने के लिये सीमान्तवासियों ने शासन से मांग की है। समाजसेवक महिमन सिंह ह्यांकी ने जिलाधिकारी के माध्यम से पूर्व में भी इस प्रकार का पत्र को प्रेषित किया था। रं कल्याण संस्था की ओर भी इस महत्वपूर्ण विषय को बताते हुए ह्यांकी ने कहा कि कैलास मानसरोवर यात्रा पौराणिक व ऐतिहासिक गबला धर्म द्वार, स्यंसे गबला व चतुर्भुज साक्षात विष्णु मन्दिर श्री नाराण आश्रम से होते हुए शुरु करवाया जाए। प्राचीन मान्यता है कि गबला धर्म द्वार से शुरु यात्रा को ही कैलास मानसरोवर की पवित्र यात्रा माना जाता था। प्राचीन पौराणिक मार्ग सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। गबला धर्म द्वार से पौराणिक कैलास मानसरोवर यात्रा ही पूर्ण मानी जाती थी।

चौदास घाटी के निवासियों ने शासन से निवेदन किया है कि कैलास मानसरोवर यात्रा को पौराणिक व ऐतिहासिक गबला धर्म द्वार से शुरु करवाया जाए ताकि सीमान्त के चतुर्दश ग्राम चौदास के लोगों को ऑलवेदर रोड से जोड़कर धार्मिक तीर्थ स्थलों से कैलास जाने वाले तीर्थयात्री उक्त स्थानों से होकर यात्रा करेंगे। उक्त कैलास मानसरोवर पर्यटक मार्ग से जुड़ कर क्षेत्रवासियों को लाभ देगा। ऐसे में सीमान्त के ग्राम पलायन की मार से बचेंगे और युवा अपने घरेलू व परम्परागत कुटीर उद्योगों को आगे बढ़ायेंगे।

उल्लेखनीय है कि नारायण आश्रम की महिमा सुनकर हर कोई इस क्षेत्र में आना चाहता है और कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग को निहारता है लेकिन व्यवहारिक दिक्कत तब तक है जब तक शासन इसे पर्यटन मानचित्र के रूप में इसके महत्व को बढ़ावा न दे। केन्द्र व राज्य सरकार बार-बार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावे की बात कर रही है ऐसे में यह बहुत ही महत्वपूर्ण सीमान्त घाटी है। यदि इसके पौराणिक-ऐतिहासिक महत्व को समझते हुए कदम उठाए गये तो क्षेत्र को लाभ के अलावा पर्यटकों के लिये अनजानी अद्भुत जगहों को जानने का अवसर मिलेगा।

इस बीच चौदास घाटी के नौजवानों ने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने संयुक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि तीशयनतंग क्रिकेट मैदान पूर्व निर्धारित मापदण्ड के अनुसार नहीं बन रहा है। अतः उस पर हस्तक्षेप करवाते हुए मैदान की माप बढ़ाई जाए। खस्ताहाल तवाघाट-नारायण आश्रम मोटर मार्ग का सुधारीकरण हो। आज 45 साल बाद भी 60 किमी दूरी तय करने में चार घण्टे का समय लगता है वह भी खतरे में यात्रा करनी होती है। युवाओं ने जीविकोपार्जन के लिये खेती और बागानों की चर्चा करते हुए कहा कि चौदास घाटी में हरियाली वापस लाने के लिये उद्यान विभाग तथा शासन-प्रशासन किसानों के खेतों में घेरबाढ़ करने, तकनीकी सहायता करने, कृषि मेला लगाने जैसे कार्यों में उत्साह दिखाएं। ज्ञापन देने वालों में सिर्खा, सिर्दांग, रूंग व आस-पास के ग्रामों से बढ़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

नमामि गंगे : सांस्कृतिक पुर्नजागरण

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस बार की उत्तरायणी में कई आयोजनों में भागीदारी की लेकिन सबसे महत्वपूर्ण उपस्थिति नमामि गंगे की गंगा आरती कही जा सकती है। चूंकि पूरे देश में जिस प्रकार से नमामि गंगे अभियान के तहत घाटों पर आरती का स्वरूप बनता जा रहा है वह सांस्कृतिक पुर्नजागरण के रूप में है। वह घाट जिन्हें गंदला-कुचला करने को भीड़ लगी है, उन्हें बचाने के लिये यह आरती आयोजन महत्वपूर्ण है।

सीएम धामी ने अपने विधानसभा क्षेत्र शारदा घाट पर नमामि गंगे की गंगा आरती में भागीदारी की और शारदा नाम से ही आरती का श्रीगणेश हुआ। यह बात दूसरी है कि शारदा घाट में अभी सुधार होना है और बहुत कुछ व्यवस्थाएं ठीक होनी हैं, जन जागरुकता भी चाहिये लेकिन किसी अच्छी पहल की सराहना होनी ही चाहिये। मुखिया के आगमन पर पूरा जिला प्रशासन चौकन्ना हुआ और घाट में वृहद स्तर पर सफाई अभियान चला। यह सब निरन्तर हो, इसके लिये अभियान जारी रहने चाहिये।

यह दिखाई भी दे रहा है कि देश में पुर्नजागरण व सांस्कृतिक उत्थान के लिये प्रधानमंत्री भी नमामि गंगे और अर्थगंगा के किमती मतलब को बता रहे हैं। फिर यह तो उत्तराखण्ड का सौभाग्य होगा कि नमामि गंगे के तहत यहाँ के घाटों का उद्धार हो जाए। जोशीमठ की आपदा को देखकर यह बात और भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि हम अपने जल स्रोतों की रखवाली करने के साथ ही अनाप-सनाप निर्माणों को रोकें। दुनिया की सभ्यताओं का विकास नदी-घाटों पर हुआ है लेकिन आधुनिक शहरों की हवा ने हर जगह कंक्रीट के जंगल बना दिये हैं जो दिखने को तो जगमग हैं परन्तु उनमें सभ्यता की जगह अराजकता फैलती जा रही है। इसी अराजकता को रोकने के लिये घाटों का विकास इसकी संस्कृति के अनुरूप हो।

नमामि गंगे को किसी पार्टी के रूप में न देखकर प्रतीक के रूप में समझा जाना चाहिये। यह जल शक्ति मंत्रालय की बड़ी योजना है और तकनीकी विशेषज्ञों की टीमें भी इसमें प्रशंसीन कार्य कर रही हैं। इसके अलावा सबका ध्यान इस ओर गया है कि हम प्रकृति पूजा को न भूलें। यदि हम प्रकृति से दूर हुए तो विनाश होते देर नहीं लगेगी। जोशीमठ ने बहुत ही उग्र रूप इस बार दिखा दिया है। ऐसे में सांस्कृतिक पुर्नजागरण के आन्दोलन को गति देने में सबका योगदान जरूरी है।

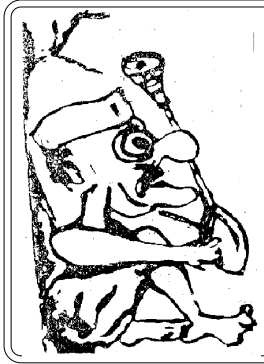

फसक

दाज्यू, खतरों के साथ लपेट होने वाली ठैरी

खचर-बचर कर दाला-चारा मिल जाता है बल

दाज्यू, जोशीमठ का उजाड़ देख बहुत दु:ख हो रहा है लेकिन क्या करें? खतरे से बाहर निकलना होगा। दाज्यू, खतरे भी तो जमाने ने खूब ओढ़-ढक रखे हैं। खतरों के साथ लपेट होने वाली ठैरी। जिस पर बीत रही है वह तो वही जान सकता है। खचर-बचर कर दाला-चारा मिल जाता है बल। समाज में बहुत लगे हैं हिल्ले से। किसी ने बड़े नेता को पकड़ रखा है, किसी ने छोटे नेता को, किसी ने अधिकारी को, किसी ने ठेकेदार को, किसी ने गुण्डे को.....।

हिन्दू परिषद के नेता प्रवीण तोगड़िया फिर से बौई गए हैं। तराई में आकर उन्होंने कहा- 'हिन्दू खतरे में हैं।' दाज्यू, तोगड़िया तो क्या, दूसरे नेता भी बौई रहे हैं। रेलवे अतिक्रमण मामले में बरेली, लखनऊ, कानपुर, दिल्ली पता नहीं कहाँ से मुस्लिम नेता भी आ गये थे हल्द्वानी शहर में। यह सब क्या हो रहा होगा??? दाज्यू, हल्द्वानी बड़ा शहर ठैरा। इसमें घटना-दुर्घटना आम बात हो चुकी। शहर की दो कालोनियों को अवैध घोषित करते हुए खरीद-फरोख्त पर रोक लग चुकी है बल। दाज्यू, यह सब कहने भर को हुआ। न जाने कितना अवैध मलबा मकानों में लग चुका है।

गंगोलीहाट के बुंगली में राजमिस्त्री की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। आपसी कहासुनी का वीडियो भी वायरल हुआ था बल। ये मोबाइल कैमरा क्या हो गया, हर बात पर बटन दबने वाला हुआ। ऊपर से उपद्रव सीखने के सारे इन्तजाम ठैरे इसमें। आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

खानपुर के पूर्व विधायक कुंवर प्रवीण चैम्पियन कह रहे हैं- 'उत्तराखण्ड में पढ़े-लिखे विधायकों की कद्र नहीं है।' दाज्यू, कुंवर साब ठीक ही कह रहे होंगे। वह तय कर चुके हैं कि अब उत्तराखण्ड से चुनाव नहीं लड़ेंगे बल्कि यूपी में सहारनपुर से चुनाव लड़ेंगे। पत्नी जरूर उत्तराखण्ड से लड़ेंगी। दाज्यू, यह समझ नहीं आ रहा है कि वह यूपी से बीबी उत्तराखण्ड से। कुंवर सैप ने उत्तराखण्ड के लिये जो-तो कह दिया था, वीडियो भौत वायरल हुई थी। पढ़े-लिखे ठैरे।

राज्य सम्पत्ति विभाग का अनुसचिव बताकर ठगी करने वाला रुद्रपुर में पकड़ लिया है बल। दाज्यू, और ही और हो रही कहा। ट्रांजिट कैम्प पुलिस ने पकड़े गये आरोपी का नाम सर्वेश यादव बताया है। इसने अपना फर्जी पहचान पत्र बनवा रखा था और बीबी के के साथ मिलकर साब बनने का रौब गांठ रहा था।

पटवारी लेखपाल भर्ती का पेपर फिर से लीक होना मतलब अभी बहुत सुराग बन्द करने होंगे। दाज्यू, जिसको जहाँ हाथ लगे वहीं च्वेड़ाच्वेड़ हो रही ठैरी। उत्तराखण्ड सरकार बहुत हिफाजत से पेपर कराने की बात कह रही थी लेकिन उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के अनुभाग अधिकारी ही पेपर बेचने में पिले हुए थे बल। अब जाँच हो रही है तो पता चल रहा है कि आरोपी संजीव चतुर्वेदी पत्नी रितु के साथ मिलकर कब से यह सब कर रहा था। जेई, एई और प्रवक्ता भर्ती परीक्षाओं के पेपर भी लीक डाले। किस पर भरोसा किया जाए? कार हो या सरकार चलना तो पड़ेगा। दाज्यू, पंचर जोड़-जोड़ कर बहुत धकिया चुके हैं। अब आगे क्या होगा.....। दाज्यू, उत्तरायण हो चुका है, फिलहाल तो घाम ताप लेते हैं। फिर आगे की आगे देखी जाएगी।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

जोशीमठ आपदा को देख अन्य स्थानों पर भी चौकन्ने.....

भूकम्प जोन में भारी-भरकम निर्माण की अनुमति किसने दी

एनटीपीसी की ब्लास्टिंग से बढ़ा संकट : सुमित हृदयेश

उत्तराखण्ड हिमालय क्षेत्र के लिये श्वेतपत्र जारी हो : मर्तोलिया

टिहरी बांध सीमा में भूधंसाव के आंकलन को कहा है

प्रथम पृष्ठ का शेष

निकासी पर विशेष ध्यान देना सुनिश्चित करें। जिससे की पानी अनियन्त्रित होकर आबादी क्षेत्रों में न जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी शिवचरण द्विवेदी, अशोक कुमार जोशी, उपजिलाधिकारी राहुल साह, लोनिवि के ईई संजय पाण्डे, एएई संजय कुमार, जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी शैलेश कुमार साथ अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

चम्पावत में भी डीएम नरेन्द्र सिंह भण्डारी ने आठ सदस्यीय टीम का गठन किया है। एडीएम हेमन्त कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गठित समिति टनकपुर, ककरालीगेट से पूर्णागिरी धाम तक पिछले 5 साल में हुए आपदा प्रबन्धन और निर्माण से सम्बन्धित कार्यों के ब्यौरे के साथ बचाव के उपाय बजाएगी। बताते चलें कि पूर्णागिरी धाम में भू-धंसाव से चिन्ता बढ़ी है। यहाँ भैरव मन्दिर से मुख्य मन्दिर के बीच कटौंजिया क्षेत्र में दो जगह फर्श में दरारें आई हैं।

बागेश्वर जिले में बहुत से गाँव भू धंसाव से त्रस्त हैं, अब जोशीमठ की घटना से लोग सहमे हुए हैं। पिथौरागढ़ के सीमान्त क्षेत्र लेकर मुख्यालय तक इस प्रकार की बात उठ रही है।

पिथौरागढ़ जिले के सीमान्त क्षेत्र क्वीरीजीमिया और जिला मुख्यालय के पास छेड़ा में दरारों ने चिन्ता बढ़ा दी है। ग्रामीण इन हालातों पर बेहद चिन्तित हैं। मुख्यालय से 7 किमी दूर छेड़ा ग्राम में कुछ वर्षों से जमीन पर दरारें पड़ी हैं। मुनस्यारी के दूरस्थ क्षेत्र क्वीरीजीमिया में 2005-2006 में एक नाले के कटाव के बाद से हालात ठीक नहीं हैं। क्षेत्रवासियों की काफी जमीन इसमें बह चुकी है। इसी प्रकार सीमान्त की दारमा घाटी के आपदाग्रस्त क्षेत्र में बांध निर्माण से लोग सहमे हुए हैं। यहाँ 154 मेगावाट बोकांग बालिंग जलविद्युत परियोजना प्रस्तावित है। इसके लिये सर्वे भी हो चुका है। जोशीमठ की घटना के बाद क्षेत्रवासी एकदम विरोध में खड़े हो चुके हैं।

पर्यारणविद् लक्ष्मणसिंह नेगी ने मोर्चा खोल दिया है। वह कहते हैं कि प्रशासन ने जोशीमठ में असुरक्षित भवनों को गिराने का एलान तो कर दिया लेकिन असल में ये सरकार और पैसे वलों का घमण्ड टूट रहा है। सवाल है कि इतने सम्वेदनशील क्षेत्र में इतने बड़े निर्माणों की अनुमति किसने दी और अब तक इस ओर सरकारी मशीनरी का ध्यान क्यों नहीं गया।

हल्द्वानी के विधायक सुमित हृदयेश ने जोशीमठ पहुँचकर भू-धंसाव क्षेत्र का निरीक्षण किया और प्रभावितों से भेंट की। उनका मानना है कि एनटीपीसी द्वारा जो ब्लास्टिंग की गई है, उससे यहाँ संकट और बढ़ गया है। उन्होंने जोशीमठ के हालात भयावह बताते हुए प्रधानमंत्री से इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का अनुरोध किया। विधायक सुमित स्थानीय विधायक राजेन्द्र सिंह भण्डारी और नगर पालिका चैयरमैन शैलेन्द्र पंवार के साथ उन जगहों पर गए जहाँ पानी का रिसाव हो रहा था।

उत्तराखण्ड त्रिस्तरीय पंचायत सदस्य संगठन ने उत्तराखण्ड हिमालय क्षेत्र में 22 सालों के भीतर हिमालय को कुचलने पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग वर्तमान सरकार से की है। संगठन के अध्यक्ष जगत सिंह मर्तोलिया ने कहा कि आज पक्ष एवं विपक्ष दोनों चिन्ताएं जाहिर करने की होड़ में लगी हुई हैं। हिमालय की जनता को जागरूक करने के लिये शीघ्र हिमालय बचाओ यात्रा निकाली जाएगी। कहा कि उत्तराखण्ड में जोशीमठ जैसे अलार्म की घण्टी बहुत बार बज चुकी है। इसलिये जरूरी है कि हिमालयी क्षेत्रों के लिए एक वैज्ञानिक निर्माण कार्य की नीति बने। हिमालय क्षेत्र को सुरंग वाली जल विद्युत परियोजनाओं, होटल एवं रिसोर्ट के लिये बेचने में सभी सरकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिमालय का बार-बार कत्लेआम किया जा रहा है। मानवजनित आपदाओं से बेघर होने वाले परिवारों के पुनर्वास के लिए एक नीति तक नहीं बनी है। सरकार अपनी मर्जी से राहत एवं पुनर्वास करती आ रही हैं।

जोशीमठ में जारी भूधंसाव को देखते हुए टिहरी जिला प्रशासन से भी टिहरी बांध सीमा में हो रहे भूधंसाव की घटनाओं का भी आंकलन करने की प्रशासन से अपील की गई है। टिहरी जिला सूचना कार्यालय के अनुसार क्षेत्रीय विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा है कि चारधाम योजना के तहत सुरंग निर्माण से चम्बा शहर में भी कुछ समस्याएं उत्पन्न हुई हैं और कई भवनों में दरारें आई हैं, जिनका आंकलन कर सुरक्षात्मक कदम उठाने की जरूरत है।

पद्मभूषण पुरस्कार से सम्मानित पर्यावरणविद् अनिल जोशी ने जोशीमठ में आपदा पीड़ित क्षेत्र का भ्रमण करने के बाद कहा कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ मानव के द्वारा किया जा रहा है वह बेहद चिन्ताजनक है। जोशीमठ के आस पास जो निर्माण कार्य किये जा रहे हैं उस कार्य को करने का तौर तरीका गलत है। यदि इसी तरह से गलत प्रक्रिया के तहत निर्माण होता रहा तो आपदा बढ़ती रहेगी। इस समय जानकार अपने-अपने शोध प्रस्तुत करते हुए कई शहरों पर खतरे की बात कर रहे हैं, यह सभी के लिये समझने सोचने की बात है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

संस्कृति

रं भाषा दिवस पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

रं लिपि के संबंध में प्रधानमंत्री द्वारा किये गये उत्साह से गदगद हैं लोग

धारचूला। रं ल्वो ज्या यानि रं भाषा दिवस पर रं कल्याण संस्था और नन्दन न्यास के तत्वावधान में रं म्यूजियम से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रं लिपि के सम्बन्ध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मन की बात में रं कल्याण संस्था द्वारा रं लिपि के लिए किए जा रहे प्रयास की सराहना किये जाने पर जनमानस खुशी जताई।

रं म्यूजियम में रं ल्वू ज्या का शुभारम्भ करते हुए संस्था के केन्द्रीय अध्यक्ष करन सिंह गर्ब्याल, विशिष्ट अतिथि भाष्कर लाला, नेपाल के दार्चुला के पूर्व विधायक गेलबो बोहरा, पूर्व चैयरमैन अशोक नवियाल, ब्लाक प्रमुख धन सिंह धामी, अनवाल समाज के अध्यक्ष गुमान सिंह बिष्ट, व्यापार संघ अध्यक्ष बी.एस. थापा, सुन्दर बोनाल और अमृता ह्यांकी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इससे पूर्व रं भाषा को बचाने के लिये 42 वर्ष पूर्व दानवीर स्व. नन्दन लाला की स्मृति में दो मिनट का मौन रख कर उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया गया।

कार्यक्रम में नेपाल से आए व्यासी शौका समाज के अध्यक्ष पूरन बूढ़ाथौकी के नेतृत्व में छोलिया नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। दारमा, चौदास और व्यास घाटी के सभी ग्रामीणों ने अपनी पारम्परिक वेशभूषा में ढोल नगाड़ज़ें के साथ गांधी चौक से रं म्यूजियम तक आकर्षक झांकी निकाली। कार्यक्रम में दारमा दिलिंग सेवा समिति, व्यासी शौका समाज, व्यास और चौदास वासियों ने अपने गीतों के माध्यम से अपनी भाषा और संस्कृति को बचाने की अपील की। आयोजन में मुख्य आकर्षक 5 वर्षीय कुबेर रौतेला और प्रजोत बुदियाल का रं भाषा में प्रस्तुति रही। दारमा की युवा गायिका रोशनी बोनाल ने कर्णप्रिय गीत प्रस्तुत किये। संचालन कविता बूढ़ाथौकी ने किया। इस मौके पर हरीश कुटियाल भी मौजूद थे।

शिविर और स्टाल

जिला प्रशासन और रं कल्याण संस्था की ओर से ब्लाक सभागार में बहुउद्देशीय शिविर लगाया गया जिसमें विभिन्न विभागों ने स्टाल लगाकर लोगाकं को योजनाओं की जानकारी दी। शिविर का शुभाम्भ डीएम रीना जोशी और रं संस्था के केन्द्रीय अध्यक्ष करन सिंह गर्ब्याल ने किया।

लघु कहानियाँ -दीवान सिंह कठायत

सरकारी नौकरी

''हम तो अपनी चेली का ब्याह सरकारी नौकरी वाले बर से ही करेंगे हमारी लड़की घर का कोई काम नहीं करेगी, फौजी हो तो सबसे अच्छा, अब पैंशन भी वहीं है। तुम जब कहो तब तैयार हैं। क्या है आजकल तो सब सामान बजार से ही लाना हुआ घर-घर सड़क आ गयी है। बस दो ही दिन में सब व्यवस्था हो जाती है। प्राइवेट वाले लड़के रोज कितने आ रहे हैं हमारी चेली मना कर रही है। पहले कालेज कर लूँ, फिर सोचुंगी कहती है' कहते हुए, राजन सिंह ने अपने आंगन में प्राइवेट कम्पनी में नौकरी कर रहे मोहन की शादी हेतु लड़की खोजने आए मोहन के पिता मानसिंह को एक ही सांस में खरी-खरी सी सुना अपने मन की सारी बात बता दी। न कोई आवभगत न सम्मान उल्टा शब्दों की मार ऐसी हथौड़े की चोट जैसी जो अन्दर तक बेध जाए। पुत्र के विवाह हेतु कई दिनों से अनेक गाँवों के चक्कर काटते हुए अपने दूर-दूर के रिस्तेदारों से सम्पर्क कर मान सिंह काफी थक चुका था और हर जगह लड़की वालों से यही सुन-सुनकर व्यथित सा भी। मोहन ने भी भर्ती के लिए काफी मेहनत की थी लेकिन हर बार रिटन में रह जाता और जब ओवर एज हो गया तब जाकर निकट के आईटीआई से दो साल की ट्रेनिंग पूरी कर, कई पापड़ बेलते हुए नोयडा की एक कम्पनी में कोन्टेक्ट बेस पर लग पाया था. समाज में लड़कियों की कमी, महिला जागरूकता, नारी सशक्तिकरण एवं फौज की नौकरी के प्रति विशेष आकर्षण तथा नई पीढ़ी में घरेलू कृषि व पशु पालन के प्रति नकारात्मकता के भाव ने, आम पहाड़ी जन मानस में पसर गयी सोच से अब आम पहाड़ी लड़कों को शादी के लिए कितनी मशक्कत करनी पड़ रही है? यह उसकी एक बानगी भर है, का मन ही मन मंथन करते हुए मान सिंह काफी घूम फिरकर सायंकाल घर लौट आया।

जै-जै

अक्सर विद्यालय, मन्दिर एवं रैलियों में ही पहली कक्षा में पढ़ रहे नन्हे नितेश ने भारत माता की जै, देवी देवता की जै, नेताओं व स्वतंत्रा संग्राम सेनानियों आदि की जै -जै के नारे सुने थे जिससे उसे लगता था कि शायद जै-जै के लिए यही स्थान निश्चित होते होंगे लेकिन आज अचानक उसने देखा एक बड़े से बक्से को अपने कन्धों पर उठाए हुए कुछ वर्दीधारी लोग जैजै का नारा लगाते हुए उनके घर की ओर बढ़े आ रहे हैं, पहली बार घर के पास ऐसा देखकर उसे विस्मय सा हुआ। आश्चर्यचकित हो वह अन्दर की ओर दौड़ा और सन्न पड़ी पुराने कम्बल में पसरी माँ के पास पहुँचकर बोला- मम्मी जै-जै वाले हमारे घर की ओर चले आ रहे हैं क्यों, किसलिए? बताओ ना मम्मी! तुम बोलती क्यों नहीं? कल से बस चुपचाप पड़ी हो।' उसने कई बार माँ को झिंझोड़ा लेकिन कोई उत्तर न पा उदास बैठी मौसी की गोद में जा बैठा और टुकुर-टुकुर उसके मुंह को ताकने लगा शायद वह ही उसे हो रही जै-जै का कारण बता दे। जै-जै का नाद अब उनके आंगन में पहुँच चुका था जिसे उसके पिता का नाम लेकर जोर-जोर से कहा जा रहा था और काफी लोगों की आवाजें भी सुनाई दे रही थी। मायूस मौसी ने बताया- बेटा शहीद के लिए भी जै-जै कहा जाता है वे तुम्हारे शहीद पापा को साथ लाए हैं' वह तुरन्त गोदी से उतर कर दौड़ते हुए बाहर गया और चाह रहा है कि वह भी अपने पापा से लिपटकर जोर-जोर से उनका नाम लेते हुए जै-जै बोले लेकिन उस भीड़ में नितेश को कहीं भी अपने पापा नजर नहीं आ रहे।

ज्योतिष की बातें - 111

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। अत: गोचरुल का वर्णन न करके सप्ताह में आने वाले प्रमुख पर्वों का वर्णन किया जा रहा है ।

बसन्त पंचमी- माघ शुक्ल पंचमी पूर्वाह्नव्यापिनी तिथि में बसन्त पंचमी अर्थात सरस्वती जयन्ती का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार गुरुवार 26 जनवरी को विद्या और वाणी की देवी माँ सरस्वती का पूजन अर्चन किया जाएगा।

भीष्माष्टमी- माघ शुक्ल अष्टमी मधयाह्न व्यापिनी तिथि तदनुसार शनिवार 28 जनवरी को भीष्माष्टमी होगी। भीष्म पितामह ने आजीवन अविवाहित रहकर ब्रह्मचर्य व्रत का पालन किया था। उन्होंने उत्तरायण आने पर माघ शुक्लपक्ष अष्टमी के दिन स्वच्छानुसार प्राण त्याग किए थे। महाभारत के अनुसार जो मनुष्य माघ शुक्ल अष्टमी को भीष्म के निमित्त तर्पण, जलदान आदि करता है उसके वर्ष भर के पाप नष्ट हो जाते हैं।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक विचार-3

चिकित्सालय और स्वास्थ्य

आजादी के समय देश में 19 मेडिकल कालेज थे। 1952 में 22 मेडिकल कालेज हो गए। इसके बाद स्वास्थ्य में विकास करने के उद्देश्य से निरन्तर मेडिकल कालेज खोले गए। आज देश में लगभग 600 मेडिकल कालेज हैं और 1 लाख छात्र प्रतिवर्ष डाक्टर बनकर निकलते हैं जहाँ पर पहले पूरे शहर में एक या दो डाक्टर होते थे वहीं अब हर शहर में सैकड़ों, हजारों डाक्टर हैं। गली-गली में एमबीबीएस डाक्टर उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य परीक्षण हेतु पैथोलाजिकल टेस्ट के लिए पाठ्यक्रम शुरू किए गए। सैकड़ों प्रकार की खून, आदि की जाचें होती हैं और उसके लिए अब लाखों की संख्या में पैथोलाजिकल लैब खुल गई हैं। करोड़ों की संख्या में मेडिकल स्टोर खुले हुए हैं ।

इतना सब होने के बावजूद भी व्यक्ति का स्वास्थ्य का स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है उसमें बल, स्मरणशक्ति, रोगों से लड़ने की क्षमता अब बहुत कम रह गई है। पुरानी रोगों के साथ-साथ अब अनेक प्रकार के नए रोग उत्पन्न हो गए हैं । इस समय 1000 में एक व्यक्ति कैंसर का रोगी है, लगभग 100 लोगों में एक व्यक्ति हृदयरोगी है, 12 प्रतिशत लोगों को तथाकथित सुगर की बीमारी है, 25 प्रतिशत लोगों को उच्च रक्तचाप (बीपी) की बीमारी है और लगभग 30 प्रतिशत लोग मोटापे के शिकार हैं। हर व्यक्ति किसी न किसी दीर्घकालिक अथवा अल्पकालिक बीमारी से त्रस्त है।

स्वास्थ्य के लिए मेडिकल कालेज और हास्पिटल तो खोले गए लेकिन बीमारियाँ बढ़ने के मूल कारणों पर कभी विचार नहीं किया गया। गिरते स्वास्थ्य के विभिन्न कारणों में से केवल एक कारण का ही निवारण कर दिया जाए तो इतने चिकित्सालयों और डाक्टरों की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। बीमारियों के मूल कारण 'पेस्टीसाइड्स अर्थात् रासायनिक कीटनाशकों के अन्धाधुन्ध उपयोग' को प्रतिबन्धित कर दिया जाए। आवश्यकतानुसार प्राकृतिक कीटनाशकों का ही उपयोग किया जाए। इतने मात्र से ही अधिकांश जनता स्वस्थ हो जाएगी। इसके साथ ही प्रिजर्वेटिव्स अर्थात् 'रासायनिक संरक्षकों' के उपयोग को भी हतोत्साहित किया जाना चाहिए ।

- सरल

आपके पत्र

सरकार, उसके तंत्र के साथ ही रेलवे विभाग भी अंधा, बहरा और गूंगा बना रहा

रतन सिंह किरमोलिया

आज ही आपके लोकप्रिय साप्ताहिक 'पिघलता हिमालय' हस्तगत हुआ। जानकारी पूर्ण समाचारों से अवगत हुआ। ज्वलन्त मुद्दे पर आपका सम्पादकीय भी पढ़ने को मिला। बड़े हर्ष की बात है कि इस समाचार पत्र में आप कविता, कथा, कहानी, लघुकथा आदि देकर इसे साहित्यिक स्वरूप भी दे रहे हैं। एतदर्थ आपको बहुत बहुत साधुवाद।

इस समय हल्द्वानी का मुस्लिम बहुल क्षेत्र बनभूलपुरा राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में है। इस मुद्दे पर अखबार में पर्याप्त सामग्री दी गई है। पचास पचपन साल पहले से यह मामला न तत्कालीन सरकारों को दिखाई दिया और न सरकारी तंत्र को। सबसे बड़ी लापरवाही रेलवे विभाग ने की है। जिसने इस मुद्दे को नजर अंदाज किया। उसने अपनी भूमि पर हो रहे कब्जे पर सरकार से कहना चाहिए था। अगर सरकार नहीं मानती तो तत्काल कोर्ट की शरण लेनी चाहिए थी। परन्तु सरकार, उसके तंत्र के साथ ही रेलवे विभाग भी अंधा, बहरा और गूंगा बना रहा। यह बहुत आश्चर्यचकित करने वाली बात है। देखते-देखते इन पचास पचपन सालों में यहाँ पर चार हजार से अधिक परिवारों का इस लावारिस भूमि पर बस जाना लाजमी है। अब उनकी आबादी चालीस हजार से अधिक हो जाना कोई बड़े आश्चर्य की बात नहीं है।

अब चाहे कोर्ट कहे या न कहे मानवीय आधार पर इस बड़ी तादाद में अबैध रूप से बसी आबादी के पुनर्वास की व्यवस्था करना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है। अब वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट का फैसला समीचीन लगता है।

इस समय भी हमारे गाँव समाज की चरागाह वाली भूमि, सरकारी एवं वन-विभाग के बड़े भू-भाग पर धाड़ल्ले से अबैध कब्जे हो चुके हैं और निरन्तर हो रहे हैं। इनको देखने सुनने वाला कोई नहीं है। आने वाले पचास साठ सालों में यहाँ भी यही स्थिति पैदा हो सकती है। यदि सरकार एवं वन विभाग को ऐसे हो रहे कब्जों से कोई लेना-देना नहीं तो सरकार को चाहिए कि ऐसे अबैधा कब्जों को उचित मुआवजा लेकर समय पर नियमित कर देना चाहिए। क्योंकि ऐसी भूमि पर गाँव वासियों के कब्जे तो हो ही रहे हैं। ऐसी भूमि पर बड़े-बड़े होटल, रिजोर्ट एवं ढाबे धड़ल्ले से चल रहे हैं और कोई देखने सुनने वाला नहीं है। इस समय सरकारी विभाग अंधे बहरे और गूंगे बने हुए हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सेरी में सौर ऊर्जा प्लांट लगाने का विरोध किया

ग्रामीणों ने कम्पनी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया

अल्मोड़ा। भनोली तहसील के ग्राम झाल डुंगरा के तोक सेरी में देहरादून की एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा उपजाऊ कृषि भूमि में सौर ऊर्जा प्लान्ट लगाए जाने का ग्रामीणों ने जबर्दस्त विरोध किया है। आरोप भी लगाया कि कम्पनी ने गाँव वालों को प्रलोभन देकर सादे कागज में उनके हस्ताक्षर व अंगूठे का निशान देकर उन्हें भुगतान कर प्लांट का निर्माण कार्य शुरु कर दिया। जबकि ग्राम के अस्सी प्रतिशत से अधिक लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने सेरी के भन्जाव मन्दिर में एकत्रित होकर सभा की और विरोध प्रदर्शन करते हुए कम्पनी के खिलाफ धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी दशा में प्लान्ट नहीं लगने इिया जायेगा। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए प्रशासन की ओर से भनोली तहसील के कानूनगो दीपक वर्मा, कानूनगो पाली षष्ठीदत्त बहुगुणा, फूटा के राजस्व निरीक्षक दिगपाल सिंह, दशौली वडियार के पटवारी हेमचन्द्र पन्त, भनोली के पटवारी महेश शर्मा, पाली के पटवारी सन्तोष किरौला भी मौके पर पहुँचे। ग्रामीणों का आक्रोश देखत हुए अधिकारियों ने अपनी बात रखी लेकिन ग्रामीणों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि उन्हें इस प्लांट का विरोध किया। ऐसे में विवाद बढ़ता देख अधिकारियों ने कम्पनी कर्मचारियों से बात की और कहा कि जिन ग्रामीणों को कम्पनी द्वारा पैसा दिया गया है, यदि वे पैसा वापस करते हैं तो उनकी लीज को निरस्त कर दिया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि इससे पहले वह इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर ऊर्जा प्रोजेक्ट का विरोध कर चुके हैं। प्रदर्शनकारियों में बची सिंह रावत, रणजीत सिंह, जीवन सिंह, जोधा सिंह, हीरा सिंह, प्रताप सिंह, रोहित चौहान, दीवान राम आदि थे।

जसपुर गोविन्दपुरम् में सिटी फॉरेस्ट विकसित होगा

वन व राजस्व भूमि का सीमांकन कर चाहरदीवारी बनाई जाएगी

जसपुर। तराई पश्चिमी वन प्रभाग की जसपुर दक्षिणी रेंज के आबादी से वन क्षेत्र में 'सिटी फॉरेस्ट' विकसित किया जायेगा। इसके लिये तैयारी होने लगी है।

जसपुर से करीब पाँच किमी की दूरी पर जसपुर-काशीपुर मार्ग स्थित गोविन्द पुरम् के पास जंगल का कुछ क्षेत्र है, जो आबादी से सटा हुआ है और यह तराई पश्चिमी वन प्रभाग की जसपुर दक्षिणी (पतरामपुर) रेंज के अन्तर्गत आता है। इस जंगल क्षेत्र में भवानीपुर वीट की वन चौकी बनी हुई है। तराई पश्चिमी वन प्रभाग रामनगर के प्रभागीय वनाधि कारी प्रकाश चन्द्र आर्य ने बताया है कि पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से गाँव गोविन्दपुरम् के पास भवानीपुर वन क्षेत्र में 'सिटी फॉरेस्ट' विकसित करने के लिए पर्यावरण वन जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत की ओर से करीब एक करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। योजना के तहत सम्बन्धित वन क्षेत्र व राजस्व भूमि की सीमा का सीमांकन कर चाहरदीवारी का निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित है। करीब 32 एकड़ के क्षेत्रफल में सिटी फॉरेस्ट विकसित किया जायेगा, जिससे गोविन्दपुरम् व आसपास के अन्य गाँवों में जंगली जानवरों का खतरा भी कम होगा। इससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। यह सिटी फॉरेस्ट लोगों के सुबह-सायं घूमने का सुन्दर स्थल भी बन सकेगा। डीएफओ प्रकाश चन्द्र आर्य ने यह भी बताया है कि वन सीमा की लगभग 2 एकड़ भूमि पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है, जिसके कारण यह योजना अधर में लटकी पड़ी है। भूमि खाली कराने के लिए विभाग की ओर से अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किये गये हैं। इस मामले में तहसील प्रशासन से सहयोग की मांग की गई है। एसडीएम सीमा विश्वकर्मा ने भी यह बात बताई।

भर्ती परीक्षाओं में नकल रोकने के लिये उम्रकैद कानून बनाने की तैयारी, आरोपियों की पकड़ तेज

परिक्रमा

उत्तराखण्ड प्रदेश में हो रही भर्तियों में जिस प्रकार की घपलेबाजी पकड़ में है, उस दाग को धोने के लिये सरकार ने नकल रोकने के लिये उम्रकैद कानून बनाने की तैयारी कर दी है। इसके अतिरिक्त अर्जित सम्पत्ति सरकार के अधीन होगी। प्रदेश में पेपर लीक को लेकर जिस प्रकार की हरकत हुई वह बहुत ही शर्मनाक घटना है। ऐसे में यह भी तय किया गया है कि वन आरक्षी परीक्षा 2022, पुलिस भर्ती और एई एवं जेई परीक्षाओं की प्रक्रिया को लेकर एसटीएफ की हरी झण्डी मिलने के बाद ही आगे निर्णय लिया जाएगा। उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के सचिव गिरधारी सिंह रावत ने बताया कि पटवारी लेखपाल भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक से जुड़े अभ्यर्थियों की परीक्षा को लेकर भी तय होना है।

सीएम की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि अनुचित साधनों की (रोकथाम व निवारण के उपाय) विधेयक अगली कैबिनेट बैठक में लाया जायेगा। मुख्य सचिव डा. एसएस सन्धु ने बताया कि कड़ा नकल विरोधी कानून लाने पर सहमति बनी है, जिसे अगली कैबिनेट में मंजूरी दी जाएगी।

बताया जा रहा है कि कार्मिक विभाग ने विधेयक का जो ड्राफ्ट बनाया है उसमें नकल करने वाले अभ्यर्थियों पर भी शिकंजा कसा गया है। चार्जशीट होते ही ऐसे अभ्यर्थी अगले 5 साल तक प्रतियोगी परीक्षाओं में नहीं बैठ पाएंगे। ऐसे अभ्यर्थियों पर अधिकतम एक लाख रुपये तक जुर्माना भी किया जा सकेगा। दोषी पाए जाने पर वह 10 साल तक के लिय भर्ती परीक्षाओं में नहीं बैठ सकेंगे। प्रिन्टिगंग प्रेस से यदि पेपर लीक होता है तो इस दशा में सम्बन्धित कम्पनी पर दस करोड़ तक जुर्माना किया जा सकता है।

जोशीमठ : वैज्ञानिक रिपोर्ट पर होगा फैसला

एनटीपीसी का दावा कि सुरंग का धंसाव से सम्बन्ध नहीं। पर्वतीय शहरों की धारण क्षमता का सर्वे होगा

जोशीमठ भू-धंसाव के कारणों पर केन्द्रीय संस्थानों की टीमें सर्वे कर रही हैं और सरकार ने तय किया है कि वैज्ञानिक रिपोर्ट के आधार पर कैबिनेट में फैसला किया जायेगा। मुख्य सचिव के अनुसार जोशीमठ भू-धंसाव पर सीबीआरआई, वाडिया इंस्टीट्यूट, आईआईआरएस, एन जीआरआई हैदराबाद, भारतीय मृदा परीक्षण संस्थान, भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण संस्थान के वैज्ञानिकों की टीमें कारणों का पता लगाने के लिए अध्ययन कर रही हैं।

दूसरी ओर एनटीपीसी ने विद्युत मंत्रालय को रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा है कि तपोवन विष्णुगाढ़ जलविद्युत परियोजना के लिये बन रही सुरंग का धंसाव से कोई सम्बन्ध नहीं है। एनटीपीसी ने बताया कि सुरंग घटनास्थल से 1.1 किलोमीटर दूर और करीब इतनी ही गहराई पर बन रही है। यह भी बताया है कि भू-धंसाव जोशीमठ में बहुत पुरानी चुनौती है। इसके बारे में सबसे पहले 1976 में पता चला था।

फिलहाल हालातों को देखते हुए सरकार ने तय कर लिया है कि सभी पर्वतीय शहरों की धारण क्षमता का सर्वे कराया जायेगा। आपदा प्रबन्धन विभाग को सर्वे कराने का दायित्व सौंपा गया है। इसके लिये शहरी विकास, पंचायती राज समेत अन्य विभाग का सहयोग लिया जाएगा। सर्वे के लिये तकनीकी एजेंसियों का चयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि अधिक दबाव वाले शहरों में निर्माण पर रोक लगाई जायेगी। मसूरी, नैनीताल, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग, उत्तरकाशी, ऊखीमठ, नई टिहरी, गुप्तकाशी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, रानीखेत पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने भी राज्य सरकार को दिशा-निर्देश दिये हैं।

पेपर लीक पर चारों ओर प्रदर्शन, पुतला फूंका, ज्ञापन

सोशल मीडिया पर भी छाया हुआ है यह मुद्दा। सरकार दिला रही न्याय का भरोसा

पटवारी भर्ती में पेपर लीक होने के बाद से चारों ओर प्रदर्शन हो रहे हैं। विपक्षी दल व युवा सरकार के पुतले फूंकने सहित नारेबाजी कर रहे हैं। ऐसे में प्रदेश के मुखिया व सरकार ने भरोसा दिलाया है कि न्याय होगा। पेपर लीक के दोषी माफ नहीं हो सकते और युवाओं के साथ धोखा नहीं होने दिया जायेगा।

फिलहाल पेपर लीक मामले पर जो चूक हुई है उससे कांग्रेस सहित विपक्ष को पूरा अवसर मिला हुआ है। यही कारण है कि इस समय पूरे प्रदेश में कांग्रेस पूरी शक्ति के साथ प्रदर्शन कर रही है और सोशल मीडिया पर यह मुद्दा छाया हुआ है। नेता प्रतिपक्ष, कांग्रेस अध्यक्ष सहित बड़े नेता पटवारी परीक्षा पेपर लीक को लेकर तीखे बयान दे रहे हैं और सरकार पर आरोप लगा रहे हैं जबकि सरकार की ओर से कहा गया है कि बिना हो-हल्ले के अपराध करने वालों को पकड़ लिया गया है। साथ ही नकल रोकने के लिये कठोर कानून बनाया जा रहा है। सीएम ने साफ कहा है कि इस पूरे मामले में उन युवाओं को निराश होने की जरूरत नहीं है जो ईमानदारी से तैयारी कर रहे हैं। पकड़ सिर्फ दोषियों की होनी है। केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने मीडिया से वार्ता में कहा कि कुछ मछलियां पूरे तालाब को गन्दा करती हैं। भाजपा सरकार किसी भी आरोपी को नहीं छोड़ेगी।

भाकपा(माले) के नेताओं ने पेपर लीक मामले में सरकार को पूरी तरह नाकाम माना है। पार्टी नेता कह रहे हैं कि राज्य सरकार की मशीनरी और परीक्षा संचालित करने वाली एजेंसियों की लापरवाही का खामियाजा बेरोजगारों को भुगतना पड़ रहा है। उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने पटवारी भर्ती परीक्षा में गड़बड़ के बाद अन्रू परीक्षा रद्द करने की मांग की है। उन्होंने कहा वह पहले से ही भर्तियों में गड़बड़ी की बात करते रहे हैं। आम जनता अब और धोखे में आने वाली नहीं है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बारपटिया समाज में जागरुकता अभियान जारी, संगठन को मजबूत करने के लिये अपील

मुनस्यारी। सीमान्त के ज्येष्ठरा बारपटिया/परपटिया समाज में जागरुकता अभियान जारी है। इसके लिये युवाओं ने विभिन्न ग्रामों में सम्पर्क अभियान लगाया। समुदाय के लोगों ने ज्येष्ठरा बारपटिया गाँव रिंगू चुल्कोट में जन जागरुकता अभियान चलाकर अपने समाज के लोगों को जागरूक किया और कहा कि हमें एकजुट होकर ज्येष्ठरा बारपटिया समाज को आगे बढ़ाना है।

आपको बताते चलें कि आये दिन सीमान्त ज्येष्ठरा बारपटिया संगठन द्वारा 5 सदस्यों की अलग अलग टीम गठित कर, विकासखण्ड मुनस्यारी में निवास कर रहे ज्येष्ठरा बारपटिया (बरप्टिया मतलब बार गाँव) समुदाय के 12 गाँवो में जाकर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 5 सदस्यों की टीम जिनमें भगत सिंह पछाई, मनोज सिंह बोथ्याल, सुशीला देवी बोथ्याल, गोपाल सिंह तोमक्याल, मनोहर सिंह तोमक्याल, ज्येष्ठरा बरप्टिया गाव रिंगू चुल्कोट पहुँचे, जहाँ ग्रामीणों से बातचीत कर व एकजुट होकर सीमान्त ज्येष्ठरा बारपटिया संगठन को मजबूत बनाने में सहयोग करने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि बारपटिया समाज की एकजुटता के लिये हल्द्वानी में भी निरन्तर बैठकें होती रहती हैं। इसमें दुर्गा सिंह बोथियाल अपने अनुभवों का लाभ युवाओं को देकर उत्साहित करते रहे हैं। देवराज सयाना समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक उत्थान के लिये आयोजनों के संयोजन में अग्रणीय भूमिका निभा रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

माघ के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं-

गगन सिंह वृजवाल
राजरम्भा हार्डवेयर
अस्पताल लाइन
मुनस्यारी

गोविन्दलाल वर्मा
सन्तोष वर्मा
पुराना बाजार
थल

किशन सिंह जंगपांगी
मल्ला दुम्मर
मुनस्यारी

प्रहलाद सिंह बरफाल
ग्राम दरांती
मुनस्यारी

होटल माँ नन्दादेवी
एण्ड बारात घर
नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया
एण्ड सन्स
मुनस्यारी

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल
एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

सप्ताह के पर्व

माघ शुक्ल पक्ष
23 जनवरी- सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती
24 जनवरी- गौरी जयन्ती
25 जनवरी- वैनायकी गणेश चतुर्थी
26 जनवरी- बसन्त पंचमी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्स: (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)